International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 9 Issue 2, Jan-Feb, 2021, Impact Factor: 7.326

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं लखनऊ विश्वविद्यालय में नामांकित दलित छात्राओं की स्थिति का अध्ययन

डॉ. सुचित्रा दिवाकर

सहायक आचार्य राजनीति विज्ञान विभाग टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर (राज.)

भूमिका

अपने शोध–कार्य को करने के लिए शोधार्थिनी ने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ और लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ से 100–100 उत्तरदाताओं को अध्ययन के लिए चुना है। इन 100 छात्राओं को दो स्तरों पर विभाजित किया गया है, जिसमें 50 स्नातकोत्तर स्तर की छात्राएँ व 50 पी–एच.डी. स्तर की छात्राएँ हैं। इस शोध अध्ययन में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालयों में नामांकित छात्राओं की स्थिति पर प्रकाश डाला गया है। इसमें शोधार्थिनी ने यह देखने का प्रयास किया गया है कि इन छात्राओं की समस्याओं का समाधान उचित समय पर होता है अथवा नहीं होता है। इन छात्राओं को किस प्रकार की समस्याओं का अधिक सामना करना पड़ता है।

एक ही शहर में होने के बावजूद इन दोनों विश्वविद्यालयों में नामांकित छात्राओं को दी जाने वाली सुविधाओं में तथा उनकी विभिन्न समस्याओं के समाधान में कितना अन्तर पाया जाता है। इन समस्त बातों के माध्यम से शोधार्थिनी ने यह जानने का प्रयास किया है कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालय में नामांकित दलित छात्राओं की क्या स्थिति है। इस अध्याय में शोधार्थिनी ने विभिन्न विभागों में नामांकित छात्राओं के प्रवेश, उनके उत्तीर्ण व अनुत्तीर्ण होने के परिणामों को बताते हुए, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ और लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ की छात्राओं की तुलनात्मक स्थिति को दर्शाया है। यह शोधकार्य इन छात्राओं के सहयोग से साक्षात्कार विधि, प्रश्नावली विधि आदि का उपयोग करते हुए सम्पन्न करने का प्रयास किया गया है।

विभिन्न विभागों में नामांकित छात्राएँ

(Enrolled of Girls Students in Various Departments)

2010 से 2015 में राजनीतिक विज्ञान विभाग में नामांकित छात्राएँ

लखनऊ विश्वविद्यालय					बी.बी.ए.यू.			
Category	**Enrollment**	**Pass Out**	**Drop Out**		**Category**	**Enrollment**	**Pass Out**	**Drop Out**
Gen	122 (58-65%)	117 (56-25%)	5 (2-40%)		**Gen**	18 (54-55%)	15 (45-46%)	3 (9-09%)
OBC	53 (25-48%)	46 (22-11%)	7 (3-37%)		**OBC**	3 (9-09%)	3 (9-09%)	Nil
SC	30 (14-42%)	19 (9-13%)	11 (5-29%)		**SC**	11 (33-33%)	8 (24-24%)	3 (9-09%)
ST	3 (1-45%)	1 (0-48 %)	2 (0-97%)		**ST**	1 (3-03%)	Nil	1 (3-03%)

TOTAL	**208 (100%)**	**183 (87-97%)**	**25 (12-03%)**		**TOTAL**	**33 (100%)**	**26 (78-79%)**	**7 (21-21%)**

Source: BBAU. Lucknow & Lucknow University Lucknow

इतिहास विभाग में नामांकित छात्राएँ

लखनऊ विश्वविद्यालय					**बी.बी.ए.यू.**			
Cate Gory	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**		**Cate gory**	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**
Gen	115 (56-65%)	110 (54-19%)	5 (2-46%)		**Gen**	18 (19-35%)	12 (12-9%)	6 (6-45%)
OBC	62 (30-54%)	56 (27-58%)	6 (2-96%)		**OBC**	12 (12-90%)	9 (9-68%)	3 (3-22%)
SC	20 (9-85%)	14 (6-90%)	6 (2-95%)		**SC**	53 (56-99%)	32 (34-41%)	21 (22-58%)
ST	6 (2-96%)	4 (1-97%)	2 (0-99%)		**ST**	10 (10-76%)	5 (5-38%)	5 (5-38%)
TOTAL	**203 (100%)**	**184 (90-64%)**	**19 (9-36%)**		**TOTAL**	**93 (100%)**	**58 (62-37%)**	**35 (37-63%)**

Source: BBAU. Lucknow & Lucknow University Lucknow

अर्थशास्त्र विभाग में नामांकित छात्राएँ

लखनऊ विश्वविद्यालय					**बी.बी.ए.यू.**			
Cate gory	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**		**Cate gory**	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**
Gen	104 (53-89%)	99 (51-30%)	5 (2-59%)		**Gen**	30 (27-27%)	20 (18-18%)	10 (9-09%)
OBC	52 (26-94%)	47 (24-35%)	5 (2-59%)		**OBC**	29 (26-36%)	17 (15-45%)	12 (10-91%)
SC	30 (15-54%)	19 (9-84%)	11 (5-70%)		**SC**	46 (41-82%)	17 (15-46%)	29 (26-36%)
ST	7 (3-63%)	6 (3-11%)	1 (0-52%)		**ST**	5 (4-55%)	1 (0-91%)	4 (3-64%)
TOTAL	**193 (100%)**	**171 (88-6%)**	**22 (11-4%)**		**TOTAL**	**110 (100%)**	**55 (50-00%)**	**55 (50-00%)**

Source: BBAU. Lucknow & Lucknow University Lucknow

समाजशास्त्र विभाग में नामांकित छात्राएँ

लखनऊ विश्वविद्यालय					बी.बी.ए.यू.			
Cate Gory	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**		**Cate gory**	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**
Gen	163 (56-01%)	154 (52-92%)	9 (3-09%)		**Gen**	14 (16-09%)	9 (10-34%)	5 (5-75%)
OBC	85 (29-21%)	77 (26-46%)	8 (2-75%)		**OBC**	13 (14-94%)	9 (10-34%)	4 (4-60%)
SC	39 (13-40%)	28 (9-62%)	11 (3-78%)		**SC**	54 (62-07%)	33 (37-93%)	21 (24-14%)
ST	4 (1-38%)	3 (1-04%)	1 (0-34%)		**ST**	06 (6-90%)	6 (6-90%)	00 (Nil%)
TOTAL	**291 (100%)**	**262 (90-04%)**	**29 (9-96%)**		**TOTAL**	**87 (100%)**	**57 (65-51%)**	**30 (34-49%)**

Source: BBAU. Lucknow & Lucknow University Lucknow

रसायन विज्ञान विभाग में नामांकित छात्राएँ

लखनऊ विश्वविद्यालय					बी. बी. ए. यू.			
Cate Gory	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**		**Cate gory**	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**
Category	**Enrollment**	**Pass Out**	**Drop Out**		**Category**	**Enrollment**	**Pass Out**	**Drop Out**
Gen	93 (50-82%)	82 (44-81%)	11 (6-01%)		**Gen**	18 (22-5%)	14 (17-5%)	4 (5-00%)
OBC	64 (34-97%)	61 (33-33%)	3 (1-64%)		**OBC**	20 (25-00%)	14 (17-5%)	6 (7-5%)
SC	24 (13-12%)	18 (9-84%)	6 (3-28%)		**SC**	35 (43-75%)	12 (15-00%)	23 (28-75%)
ST	02 (1-09%)	02 (1-09%)	Nil		**ST**	7 (8-75%)	3 (3-75%)	4 (5-00%)

Source: BBAU. Lucknow & Lucknow University Lucknow

भौतिक विज्ञान विभाग में नामांकित छात्राएँ

लखनऊ विश्वविद्यालय					बी.बी.ए.यू.			
Cate Gory	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**		**Cate gory**	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**
Gen	77 (56-20%)	68 (49-63%)	9 (6-57%)		**Gen**	15 (31-91%)	15 (31-91%)	Nil
OBC	41 (29-93%)	33 (24 09%)	8 (5-84%)		**OBC**	9 (19-15%)	6 (12-77%)	3 (6-38%)
SC	16 (11-68%)	12 (8-76%)	4 (2-92%)		**SC**	22 (46-81%)	18 (38-30%)	4 (8-51%)
ST	3 (2-19%)	3 (2-19%)	Nil		**ST**	1 (2-13%)	1 (2-13%)	Nil
TOTAL	**137 (100%)**	**116 (84-67%)**	**21 (15-33%)**		**TOTAL**	**47 (100%)**	**40 (85-11%)**	**7 (14-89%)**

Source: BBAU. Lucknow & Lucknow University Lucknow

गणित विभाग में नामांकित छात्राएँ

लखनऊ विश्वविद्यालय					बी.बी.ए.यू.			
Cate Gory	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**		**Cate gory**	**Enroll ment**	**Pass Out**	**Drop Out**
Gen	96 (51-61%)	87 (46-77%)	9 (4-84%)		**Gen**	16 (29-09%)	15 (27-27%)	1 (1-82%)
OBC	56 (30-11%)	50 (26-88%)	6 (3-23%)		**OBC**	10 (18-18%)	7 (12-73%)	3 (5-45%)
SC	30 (16-13%)	26 (13-98%)	4 (2-15%)		**SC**	25 (45-46%)	13 (23-64%)	12 (21-82%)
ST	4 (2-15%)	4 (2-15%)	Nil		**ST**	4 (7-27%)	1 (1-82%)	3 (5-45%)
TOTAL	**186 (100%)**	**167 (89-78%)**	**19 (10-22%)**		**TOTAL**	**55 (100%)**	**36 (65-46%)**	**19 (34-54%)**

Source: BBAU. Lucknow & Lucknow University Lucknow

2010 से 2015 में पी–एच.डी. स्तर पर नामांकित छात्राएँ

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग वर्ष 2008 से प्रारम्भ हुआ है और तब से अब तक सामान्य वर्ग की 2 (22.22 प्रतिशत), पिछड़े वर्ग की 1 (11.11 प्रतिशत), अनुसूचित जाति, 5 (55.56 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति 1 (11.11 प्रतिशत), छात्राएँ नामांकित है। इस विभाग में स्तर पर अभी तक कोई ड्रॉपआउट नहीं हुआ है। अर्थषास्त्र विभाग में सामान्य वर्ग की 5 (38.46 प्रतिशत), पिछड़े वर्ग की 3 (23.08 प्रतिशत) अनुसूचित जाति, 4 (30.77 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति 1 (7.69 प्रतिशत), छात्राएँ नामांकित है। इतिहास विभाग में सामान्य वर्ग की 2 (28.57 प्रतिशत), अनुसूचित जाति, (57.14 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति 1 (14.29 प्रतिशत), छात्राएँ नामांकित है। समाजशास्त्र विभाग में सामान्य वर्ग की 2 (25 प्रतिशत), पिछड़े वर्ग की

2 (25 प्रतिशत) अनुसूचित जाति, 4 (50 प्रतिशत), छात्राएँ नामांकित है। रसायन विज्ञान विभाग में अनुसूचित जाति की, 2 (100 प्रतिशत) छात्राएँ नामांकित है। भौतिक विज्ञान विभाग में सामान्य वर्ग की भी 2 (50 प्रतिशत), अनुसूचित जाति, 2 (50 प्रतिशत), छात्राएँ नामांकित है। गणित विभाग में सामान्य वर्ग की 1 (25 प्रतिशत), पिछड़े वर्ग की 1 (25 प्रतिशत) अनुसूचित जाति, 2 (50 प्रतिशत), छात्राएँ नामांकित है। मैनेजमेंन्ट विभाग में सामान्य वर्ग की 4 (33.33 प्रतिशत), पिछड़े वर्ग की 1 (8.33 प्रतिशत) अनुसूचित जाति, 5 (41.67 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति 2 (16.67 प्रतिशत) , छात्राएँ नामांकित है। सूचना तकनीकी विभाग में सामान्य वर्ग की 1 (33.33 प्रतिशत), अनुसूचित जाति, 2 (66.67 प्रतिशत), विशेष इन दो छात्राओं में से एक छात्रा की शादी हो जाने के कारण उसने पी–एच.डी. कोर्स को छोड़ दिया।

एम.ए.स्तर की छात्राओं का तुलनात्मक अध्ययन
(Comparative Study of Girl Students at P.G. Level)

(ब) सामाजिक, आर्थिक पृष्ठभूमि
लखनऊ विश्वविद्यालय में 20 (40.00 प्रतिशत) छात्राएँ लखनऊ शहर से हैं वहीं 30 (60.00 प्रतिशत) छात्राएँ लखनऊ शहर से बाहर से आती है जबकि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 23 (46.00 प्रतिशत) छात्राएँ में लखनऊ शहर से हैं जबकि 27 (54.00 प्रतिशत) छात्राएँ लखनऊ शहर से बाहर से आती है। लखनऊ विश्वविद्यालय में 49 (98.00 प्रतिशत) छात्राएँ अनुसूचित जाति वर्ग व 1 (2 प्रतिशत) छात्राएँ अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं जबकि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 49 (98.00 प्रतिशत) छात्राएँ अनुसूचित जाति वर्ग व 1 (2.00 प्रतिशत) छात्राएँ अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में 21 (42.00 प्रतिशत) छात्राएँ चमार, 10 (20.00 प्रतिशत) धोबी, 2 (4 प्रतिशत) कोरी, 10 (20.00 प्रतिशत) पासी, 3 (6.00 प्रतिशत) रावत, 1 (2.00 प्रतिशत) भील 2 (4.00 प्रतिशत) पासवान, 1 (2.00 प्रतिशत) सोनी उपजाति की छात्राएँ नामांकित है जबकि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 36 (72.00 प्रतिशत) छात्राएँ चमार, 7 (14.00 प्रतिशत) धोबी, 2 (4.00 प्रतिशत) हरिजन, 2 (4.00 प्रतिशत) कोरी, वाल्मीकि 1 (2.00 प्रतिशत), 2 (4.00 प्रतिशत) पासी उपजाति की छात्राएँ नामांकित है। लखनऊ विश्वविद्यालय में 49 (98.00 प्रतिशत) छात्राएँ हिन्दू धर्म व 1 (2.00 प्रतिशत) छात्राएँ ही इसाई धर्म की हैं। जबकि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 49 (98.00 प्रतिशत) छात्राएँ ही हिन्दू धर्म की है व 1 (2.00 प्रतिशत) छात्राएँ इसाई धर्म की हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में 50 (100.00 प्रतिशत) छात्राओं की मातृभाषा हिन्दी है जबकि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 49 (100.00 प्रतिशत) छात्राओं की मातृभाषा हिन्दी है। 1 (2.00 प्रतिशत) छात्राएँ अन्य किसी क्षेत्रीय भाषा की हैं।

(स) पारिवारिक जानकारी
लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्राओं के परिवार की आर्थिक स्थिति का अध्ययन किया गया जिसमें 13 (26.00 प्रतिशत) उच्च श्रेणी में, 11 (22.00 प्रतिशत) मध्यम श्रेणी में, 26 (52.00 प्रतिशत) निम्न श्रेणी में आते है जबकि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 18 (36.00 प्रतिशत) उच्च श्रेणी में, 18 (38.00 प्रतिशत) मध्यम श्रेणी में, 13 (26.00 प्रतिशत) निम्न श्रेणी में आते है। (शोधार्थिनी ने उपरोक्त श्रेणियों में उच्च श्रेणी को (60,000 रूपये से ऊपर की आय), मध्यम श्रेणी (30,000–60,000 रूपये की आय), निम्न श्रेणी (30,000 रूपये से नीचे की आय वाले परिवारों में रखा है।), लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्राओं के परिवार की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन 20 (40.00 प्रतिशत) उच्च श्रेणी, 11 (22.00 प्रतिशत) मध्यम श्रेणी, 19 (38.00 प्रतिशत) निम्न श्रेणी में आते है जबकि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 13 (26.00 प्रतिशत) उच्च श्रेणी, 26 (52.00 प्रतिशत) मध्यम श्रेणी, 11 (22.00 प्रतिशत) निम्न श्रेणी में आते है।

(द) विश्वविद्यालय सम्बन्धी
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं लखनऊ विश्वविद्यालय में नामांकित दलित छात्राओं की दोनों विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय सम्बन्धी जानकारी को अगले पृष्ठ पर दी गयी सूची में दिये गये निम्न आँकड़ों के द्वारा दर्शाया गया है।

विश्वविद्यालय जाने वाली छात्राओं की दर

लखनऊ विश्वविद्यालय		**बी.बी.ए.यू.**	
पैदल	40 (80-00%)	पैदल	37 (74-00%)
साइकिल	-	साइकिल	2 (4-00%)
मोटर साइकिल	4 (8-00%)	मोटर साइकिल	7 (14-00%)
ब्स	6 (12-00%)	बस	4 (8-00%)
योग	**50 (100%)**	**योग**	**50 (100%)**

Source: Based on Field Survey

दलित वर्ग हेतु चलाई जा रही योजनाओं पर छात्राओं के विचार

लखनऊ विश्वविद्यालय		**बी.बी.ए.यू.**	
यू.जी.सी.(जे.आर.एफ.)	10(20-00%)	यू.जी.सी. (जे.आर.एफ)	8 (16-00%)
आर.जी.एन.एफ.	18 (36-00%)	आर.जी.एन.एफ.	35 (70-00%)
यूनिवर्सिटी ग्रांट	10 (20-00%)	यूनिवर्सिटी ग्रांट	-
सभी	12 (24-00%)	सभी	7 (14-00%)
योग	**50 (100%)**	**योग**	**50 (100%)**

Source: Based on Field Survey

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्राओं को इस बात की जानकारी बहुत कम है कि अनुसूचित जाति वर्ग की छात्राओं के लिए आर.जी.एन.एफ. जैसी कोई योजना भी चल रही है जबकि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय में अधिक छात्राओं को इसका ज्ञान है कि दलित वर्ग हेतु आर.जी.एन.एफ. की योजना चल रही है इससे ज्ञात होता है कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में लखनऊ विश्वविद्यालय की अपेक्षा छात्राएँ अधिक जागरूक हैं

विश्वविद्यालय में आरक्षण की व्यवस्था पर छात्राओं के विचार

लखनऊ विश्वविद्यालय		**बी.बी.ए.यू.**	
हाँ	22 (44-00%)	हाँ	49 (98-00%)
नहीं	28 (56-00%)	नहीं	1 (2-00%)
योग	**50 (100%)**	**योग**	**50 (100%)**

Source: Based on Field Survey

आरक्षण की व्यवस्था को देखकर लगता है कि बी.बी.ए.यू. में छात्राओं को आरक्षण का अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय में भी छात्राएँ चाहती हैं कि हमें भी आरक्षण का पर्याप्त लाभ मिले तो हम भी उच्च शिक्षा आसानी से प्राप्त कर सकते हैं और आर्थिक स्थिति का हमारी शिक्षा पर भी बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आरक्षण का लाभ उठाने वाली छात्राओं के विचारों का अध्ययन

लखनऊ विश्वविद्यालय		**बी.बी.ए.यू.**	
हॉस्टल के माध्यम से	4 (8-00%)	हॉस्टल के माध्यम से	4 (8-00%)
छात्रवृत्ति के माध्यम से	8 (16-00%)	छात्रवृत्ति के माध्यम से	2 (4-00%)
रिमेडियल कोचिंग	8 (16-00%)	रिमेडियल कोचिंग	1 (2-00%)
सभी से	10 (20-00%)	सभी से	20 (40-00%)
नामांकन के माध्यम से	20 (40-00%)	नामांकन के माध्यम से	23 (46-00%)
योग	**50 (100%)**	**योग**	**50 (100%)**

Source: Based on Field Survey

लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ में छात्राओं का मानना है कि वे हॉस्टल, कोचिंग, छात्रवृत्ति के माध्यम से आरक्षण का लाभ उठा रही है, लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ की भाँति विश्वविद्यालय स्तर पर जो आरक्षण दिया गया है, वैसा आरक्षण लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ में नहीं है। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ में दलित वर्ग की छात्राओं को 50 प्रतिशत आरक्षण विभिन्न सुविधाओं के माध्यम से प्राप्त हो रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्राएँ इस बात से अनभिज्ञ हैं।

Conclusion

उपर्युक्त अध्याय के विषय में यह कहा जा सकता है कि हमने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं लखनऊ विश्वविद्यालय में नामांकित दलित छात्राओं की स्थिति के विषय में जानने के लिए बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं लखनऊ विश्वविद्यालय का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन करने के पश्चात् यह ज्ञात हुआ कि एक ही शहर में स्थापित दोनों विश्वविद्यालयों में नामांकित दलित छात्राओं की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक स्थिति में कितना अन्तर है। सामाजिक स्थिति में अन्तर निम्न आधार पर नजर आया है जैसे– जाति, सामाजिक स्तर, लिंग, क्षेत्र, भाषा आदि। उनके साथ जाति के आधार पर भेदभाव न केवल मित्रों के द्वारा वरन् शिक्षक, हॉस्टल वार्डन, कार्यालय में कार्य करने वाले अधिकारी व क्लर्क आदि के द्वारा किया जाता है। जबकि लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ में इस तरह का भेदभाव कम नजर आता है। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ में लिंग के आधार पर शोषित होनी वाली छात्राओं का मानना है कि न केवल सामान्य वर्ग के पुरूष वरन, समान वर्ग के पुरूषों के द्वारा भी उन्हें शोषित किया गया है जबकि लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ में इस तरह के भेदभाव का शिकार होने वाली छात्राओं की संख्या कम ही है। क्षेत्र व भाषा के आधार पर भी उनके साथ भेदभाव हुआ है। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं लखनऊ विश्वविद्यालयों में नामांकित दलित छात्राओं ने अपने–अपने विश्वविद्यालयों की गुणों व कमियों को उजागर किया।

इस विश्वविद्यालय की कमियों को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है कि चुनौती के रूप में यह समस्त मुद्दे हमारे समक्ष आ खड़े हुए हैं। ऐसा माना जाता है कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ जो कि अम्बेडकर जी के नाम पर विशेष रूप से इस वर्ग के छात्र–छात्राओं के लिये बनाया गया था आज यह विश्वविद्यालय केवल उनके लिए नाममात्र का ही बनकर रह गया है। यह भी माना जाता था कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ केवल दलित वर्ग के छात्र–छात्राओं को शिक्षा के उच्च स्तर पर ले जाने का कार्य करेगा परन्तु वह इस वर्ग को शिक्षा के उच्च स्तर पर ले जाने में पूर्णतः सफल नहीं हुआ है। इन विश्वविद्यालयों के गुणों व कमियों को देखते हुए हमने यह निष्कर्ष निकाला कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की छात्राओं के द्वारा अपने विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में तो अधिकतर नकारात्मक विचारों को ही प्रकट किया गया है क्योंकि दलित छात्र–छात्राओं के कल्याण करने की दिशा में इस विश्वविद्यालय को जितनी

सफलता प्राप्त होनी थी वह इसे पूर्णतः प्राप्त नहीं हुई है। लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्राओं ने अपने विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की छात्राओं की तुलना में सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये हैं।

समस्या समाधान हेतु सुझाव

[1]. इन दोनों विश्वविद्यालयों में अनुसूचित जाति व जनजाति के वे विद्यार्थी जिन्होंने जे. आर. एफ. की परीक्षा पास कर पी–एच. डी. कोर्स में प्रवेश लिया है, प्रवेश लेने के बाद से ही उनके खाते में फैलोशिप की धनराशि बिना किसी विलम्ब के मासिक रूप से डाली जाये, जिससे कि गरीब परिवार व दूर से आकर पढ़ाई करने वाले छात्र–छात्राओं को समस्याओं का सामना न करना पड़े।

[2]. विश्वविद्यालय में उपकुलपति को इस बात का भी पूर्णतः ध्यान रखना चाहिए, कि वह प्रत्येक विभाग के प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों आदि को समय–समय पर आवश्यकतानुसार धन उपलब्ध कराता रहे तभी वह छात्र–छात्राओं को शिक्षा की सुविधाएँ उपलब्ध करा सकते है। अन्यथा वह भी उचित शिक्षा की व्यवस्था नहीं करेगें और इससे छात्र–शिक्षक सम्बन्धों का भी टकराव होगा।

[3]. इन दोनों विश्वविद्यालयों में अनुसूचित जाति व जनजाति के विकलांग छात्र–छात्राओं के प्रवेश लेने के पश्चात उनके लिये विशेष रूप से वाहन की सुविधायें उपलब्ध कराई जायें।

[4]. इन विश्वविद्यालयों में छात्राओं को दिये जाने वाले हॉस्टल के चारों ओर सुरक्षा के लिए लोहे की जाली लगवाई जाये, जिससे छात्राओं के साथ घटित होने वाली घटनाओं पर प्रतिबंध लगाया जा सके।

[5]. इन दोनों विश्वविद्यालयों में पी–एच.डी. कोर्स में प्रवेश लेने के पश्चात् जो छात्रायें हॉस्टल में रहते हुए (गेस्ट के रूप में) एच.आर.ए. का फायदा उठाती है जिससे कि अन्य जरूरतमंद छात्राओं को समय पर फैलोशिप भी नहीं मिल पाती है ऐसी छात्राओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये।

[6]. ऐसी छात्रायें जो विश्वविद्यालय से बाहर किराये पर नहीं रह सकती है, उनको विश्वविद्यालय में हॉस्टल की सुविधा प्रदान की जाये और वे छात्रायें जो पूरे वर्ष गेस्ट के रूप में हॉस्टल में रहती है, उन पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये तथा गेस्ट के रूप में रहने की कम से कम अवधि निर्धारित की जाये।

[7]. विश्वविद्यालय स्तर पर कम से कम पी–एच. डी. छात्राओं को हॉस्टल में सिंगल रूम उपलब्ध कराया जाये जिससे कि वे अपने शोध–कार्य पर ध्यान केन्द्रित कर सम्पन्न कर सकें।

[8]. छात्राओं के घर से आने वाले किसी भी सदस्य के रूकने के लिये हॉस्टल के बाहर एक रूम, टॉयलेट व वॉशरूम की पर्याप्त व्यवस्था की जाये जिससे कि वे रात को वहाँ रूक सकें और उन्हें परेशानियों का सामना न करना पड़े।

[9]. इन दोनों विश्वविद्यालयों में ऐसे विभागों का निर्माण किया जाये जो इन दलित छात्राओं को समस्त सुविधायें जैसे–दाखिला नीति, एडमिशन फॉर्म, छात्रवृत्ति योजना, शिकायतों के दर्ज कराने आदि सम्बन्धी समस्त जानकारी एक ही विभाग से प्राप्त करने में सहयोग कर सके तथा उसमें अधिकारी निम्न वर्ग के ही रखे जाये।

[10]. इन दोनों विश्वविद्यालयों के सारे प्रवेश द्वारों पर व हॉस्टल के आस–पास सी.सी.टी.वी. कैमरें लगवाये जाये जिससे कि होने वाली समस्त घटनाओं की जानकारी प्राप्त होती रहे व समय–समय पर कैमरों का निरीक्षण भी किया जाये जिससे कि ये पता चल जाये कि वे काम कर रहे है या नहीं।

[11]. लखनऊ शहर में स्थापित इन दोनों विश्वविद्यालयों में सरकारी मैस की व्यवस्था की जाये क्योंकि छात्र–छात्रायें प्राइवेट मैस का खर्चा नहीं उठा सकती है, साथ ही मैस में मिलने वाले खाने की वैरायटी व गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये।

[12]. पी–एच.डी. छात्राओं को हॉस्टल में ग्राउण्ड फ्लोर पर रूम दिया जाये जिससे कि उन्हें थकावट का सामना अधिक न करना पड़े।

[13]. विश्वविद्यालय स्तर पर हॉस्टल की वार्डन को अन्य कोई पद प्रदान न किया जाये क्योंकि इससे वह वार्डन के उत्तरदायित्व को उचित प्रकार से नहीं निभा पाती है, इस पद के अनुसार वार्डन को पूरी आय प्रदान कर उसे 24 घण्टे के लिये हॉस्टल में रखा जाये तथा उनके रहने व खाने–पीने का पूरा प्रबन्ध किया जाये।

[14]. केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा एक ऐसा टोल–फ्री नम्बर लागू किया जाये जिसमें दलित छात्राओं को घर बैठे विभिन्न क्षेत्रों जैसे–शिक्षा, रोजगार, खेल, सरकारी योजनायें व जीवन की विभिन्न समस्याओं के समाधान की जानकारी प्राप्त हो सके।

[15]. इन विश्वविद्यालयों में अनुसूचित जाति व जनजाति के ऐसे विद्यार्थी जो हिन्दी भाषा में पढ़ना चाहते हैं, उनके लिये केन्द्र सरकार द्वारा पर्याप्त मात्रा में पुस्तकें उपलब्ध करायी जाये।

[16]. केन्द्रीय सरकार का कर्त्तव्य है कि वह देश के सभी राज्यों के विश्वविद्यालयों में समानता लाने का प्रयास करने के साथ–साथ उच्च शिक्षा स्तर को बनाये रखने में योगदान दे।

[17]. केन्द्रीय विश्वविद्यालय बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर को केवल अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र–छात्राओं तक ही सीमित किया जाये।

[18]. केन्द्रीय विश्वविद्यालय से पी–एच.डी. करने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र–छात्राओं को केन्द्र सरकार द्वारा किसी न किसी महाविद्यालय में व्याख्याता पद पर नियुक्ति दी जाये।

[19]. अनुसन्धान कार्य को इतना प्रोत्साहित किया जाये जिससे कि तकनीकी क्षेत्र और विशिष्ट शिक्षा की व्यवस्था में दलित महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा सके तथा उनकी संख्या बढायी जा सके।

[20]. शिक्षा के साथ–साथ कुछ ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाये जिससे कि उच्च स्तर की योग्यता रखने वाली सभी दलित छात्राओं की संख्या को उसमें बढ़ाया जा सके।